



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13]  
No. 13]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 8, 1981/पौष 18, 1902  
NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 8, 1981/PAUSA 18, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वर्णिज्य मंत्रालय  
(टेक्सटाइल विभाग)  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1981

का. आ. 14(अ).—केंद्रीय सरकार, नेशनल कम्पनी लिमिटेड (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 42) की धारा 33 की उपधारा (2) के खण्ड(क) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और आरम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नेशनल कम्पनी लिमिटेड (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ.—इन नियमों में, जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) 'अधिनियम' से नेशनल कम्पनी लिमिटेड (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 42) अभिप्रेत है।

(ख) उन सभी अन्य शब्दों और पदों के जो उन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु नेशनल कम्पनी लिमिटेड (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1980 (1939 का 42) में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके उस अधिनियम में है।

3. सूचना के लिए समय-सीमा—किसी ऐसी सम्पत्ति का जो केंद्रीय सरकार में इस अधिनियम के अधीन निहित हो गई है, प्रत्येक बंधकदार और ऐसी सम्पत्ति में या उसके संबंध में कोई भार धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाला प्रत्येक व्यक्ति ऐसी तारीख से जो धारा 18 के अधीन केंद्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, तीस दिन की अवधि के भीतर, ऐसे बंधक, भार, धारणाधिकार या अन्य हित की सूचना, आयुक्त को देगा,

परन्तु यदि आयुक्त का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा बंधकदार या व्यक्ति तीस दिन की उक्त अवधि के भीतर सूचना देने में पर्याप्त कारण से निवारित किया गया था तो वह उसके लिए कारणों को लेखबद्ध करके, तीस दिन की और अवधि के भीतर किन्तु उसके पश्चात् नहीं, सूचना स्वीकार कर सकता है।

4. सूचना की रीति—(1) नियम 3 के अधीन आयुक्त को दी जाने वाली प्रत्येक सूचना आयुक्त को संबोधित लिखित रूप

में होगी और उसमें निम्नलिखित विशिष्टियां होगी, अर्थात्:—

- (क) किसी ऐसी संपत्ति के बंधकदार या उसमें अथवा उसके संबंध में कोई भार, धारणाधिकार या अन्य धारण करने वाले व्यक्ति का नाम, विवरण और पूरा पता ;
- (ख) उस उपक्रम का नाम जिसके संबंध में सूचना दी जाती है,
- (ग) बंधक, भार, धारणाधिकार या अन्य हित के अधीन शोध्य रकम (भारतीय करेंसी में) ,
- (घ) ऐसी लिखत की, यदि कोई हो, जिसके द्वारा बंधक, भार, धारणाधिकार या अन्य हित प्रतिभूत किया गया है, विशिष्टियां जो लिखत की अनुपस्थिति प्रति द्वारा समर्थित हो ;
- (ङ) प्राप्त हो चुकी रकम की, यदि कोई हो, विशिष्टियां,
- (च) कोई अन्य सुसंगत विशिष्टि ; और
- (छ) दावा किया गया अनुलोष ।

(2) प्रत्येक सूचना बंधकदार या भार, धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाले व्यक्ति या उसके द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्तः हस्ताक्षरित और सत्यापित की जाएगी ।

(3) सूचना सभी कार्यदिवसों में कार्यालय समय के दौरान कलकत्ता स्थित आर्यक्त के कार्यालय में फाइल की जा सकेगी या रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा आर्यक्त को भेजी जा सकेगी ।

[फाइल सं. 29/7/80-जूट]

एस. के. सरकार, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Textiles)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 8th January, 1981

**S.O. 14(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (a) of sub-section (2) of Section 33 of the National Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings Act, 1980 (42 of 1980), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the National Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) 'Act' means the National Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (42 of 1980).
- (b) all other words and expressions used in these rules and not defined but defined in the National Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (42 of 1980), shall have the meanings respectively assigned to them in that Act.

3. Time-limit for intimation.—Every mortgagee of any property which has vested under the Act in Central Government, and every person holding any charge, lien or other interest in, or in relation to, any such property, shall give an intimation of such mortgagee charge, lien or other interest to the Commissioner within a period of thirty days from such date, as may be specified by the Central Government under section 18 ;

Provided that if the Commissioner is satisfied that such mortgagee or person was prevented by sufficient cause from giving the intimation within the said period of thirty days, he may accept the intimation within a further period of thirty days, after recording reasons therefor in writing, but not thereafter.

4. Manner of intimation —(1) Every intimation to be given to the Commissioner under rule 3 shall be in writing addressed to the Commissioner, and shall contain the following particulars namely :—

- (a) name, description and full address of the mortgagee or the person holding charge, lien or other interest in, or in relation to, any such property ;
- (b) name of the undertaking in respect of which the intimation is made ;
- (c) amount due under the mortgage, charge, lien or other interest (in Indian currency) ;
- (d) particulars of the instrument, if any, by which the mortgage, charge, lien or other interest is secured, supported by an attested copy of the instrument ;
- (e) amount, if any, already received with particulars ;
- (f) any other relevant particulars ; and
- (g) relief claimed.

(2) Every intimation shall be duly signed and verified by the mortgagee, or the person holding the charge, lien or other interest or a person duly authorised by him.

(3) An intimation may be filed in the Office of the Commissioner, at Calcutta, on all working days during office hours or may be sent to the Commissioner by registered post, with acknowledgement due.

[File No. 29/7/80-Jute]

S. K. SARKAR, Jt. Secy.